

۹۰

قَالَ الْمَلَأُ الَّذِينَ اسْتَكْبَرُوا مِنْ قَوْمٍ لَمُخْرِجِكَ يُشْعِبُ

कहा चौधरियोने उनकी कौमके जो बडे बनते थे, हम लोग जरूर निकास देंगे तुमको ऐ शुअैब

وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَكَ مِنْ قَرِيْبَتِنَا أَوْلَتْهُنَّ فِي مِلَّتِنَا

और जो ईमान लाये हैं तुम्हारे साथ हमारी आबादीसे, या तुमको धूम फिर कर आना होगा हमारे धर्ममें.”

قَالَ أَوْلَوْكُنَّا كَرِهِيْنَ ۞ قَدْ افْتَرَيْنَا عَلَى اللَّهِ كَذِبًا إِنْ

जवाब दिया, “क्या गो हम उसे बुरा ज्ञनें ?”..(८८).. “बेशक हमने अल्लाह पर जूट बांधा अगर

عُدْنَا فِي مِلَّتِكُمْ بَعْدَ إِذْ نَجَّيْنَا اللَّهُ مِنْهَا وَمَا يَكُونُ لَنَا

धूम पडे तुम्हारे धर्ममें, बा'द ईसके कि बचा रचा है हमको अल्लाहने ईससे. और हम लोगोका क्या कामकि

أَنْ نَعُودَ فِيهَا إِلَّا أَنْ يَشَاءَ اللَّهُ رَبُّنَا وَسِعَ رَبُّنَا كُلَّ شَيْءٍ

धूम गिरेँ उसमें, मगर यह कि अल्लाह याहे हमारा पालनेवाला. हमारे परवरदिगारको हर चीजका ईसमें

عِلْمًا ۞ عَلَى اللَّهِ تَوَكَّلْنَا رَبُّنَا افْتَحَ بَيْنَنَا وَبَيْنَ قَوْمِنَا بِالْحَقِّ

वसीअ है. अल्लाह ही पर हमने तरोसा किया. परवरदिगारा भोल दे हमारे और हमारी कौमके दरमियान हक,

وَأَنْتَ خَيْرُ الْفَاتِحِينَ ۞ وَقَالَ الْمَلَأُ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ قَوْمِهِ

और तू बेहतरे फातेह है” (८८) और बोले चौधरी लोग उनकी कौमके जिन्डोंने कुङ किया था,

لِيَنْ اتَّبِعْتُمْ شُعَيْبًا إِنَّكُمْ إِذًا الْخٰسِرُونَ ۞ فَأَخَذَهُمُ الرَّجْفَةُ

“कि अगर तुम लोग कहा माना किये शुअैबका, तो बेशक उस वक्त तो तुम भी घाटेमें रहोगे” (८९) तो दबोया उनको जल्जलेने,

९१

فَأَصْبَحُوا فِي دَارِهِمْ جُثَيْنٍ ۞ الَّذِينَ كَذَّبُوا شُعَيْبًا كَانُوا

तो रह गये अपने घरमें मुंडके बल पडे (८९) जिन्डोंने जूटवाया था शुअैबको, जैसे

لَمْ يَعْنُوا فِيهَا ۞ الَّذِينَ كَذَّبُوا شُعَيْبًا كَانُوا هُمُ الْخٰسِرِينَ ۞

बसे ही न थे उसमें. जिन्डोंने जूटवाया शुअैबको वोड लुट गये (९०)

فَتَوَلَّىٰ عَنْهُمْ وَقَالَ يٰ قَوْمٍ لَقَدْ أَبْلَغْتُكُمْ رِسَالَتِ رَبِّيٰ وَ

तो शुअैब उनसे हट गये, और कहा कि ‘ऐ कौम बेशक मैंने तो पछोया दिया तुमको अपने परवरदिगारके पैगाम और

९२

نَصَحْتُ لَكُمْ فَكَيْفَ آسَىٰ عَلَىٰ قَوْمٍ كٰفِرِينَ ۞ وَمَا أَرْسَلْنَا

बेरम्वाही की तुम्हारी. फिर मैं किस तरहे अङ्गसोस करुं काकिर कौम पर” (९१) और नहीं भेजा हमने

فِي قَرْيَةٍ مِّنْ بَنِي إِيلَاقٍ أَخَذْنَا أَهْلَهَا بِالْبَأْسَاءِ وَالضَّرَّاءِ لَعَلَّهُمْ

किसी आबादीमें कोई नबी, मगर यह कि गिरफ्तार किया उसके रहनेवालोंको नादारी व भीमारीमें, कि वोह

يَضَّرَّعُونَ ﴿۷۳﴾ ثُمَّ بَدَّلْنَا مَكَانَ السَّيِّئَةِ الْحَسَنَةَ حَتَّىٰ عَفَوْا

गिरगिडाओं (८४) फिर बदल दिया हमने भराबीकी जगह भुबीकी, यहां तक कि भरपूर हो गये,

وَقَالُوا قَدْ مَسَّ آبَاءَنَا الضَّرَّاءُ وَالسَّرَّاءُ فَأَخَذْنَاهُمْ بَغْتَةً وَ

और बोले कि होती रही है हमारे बापदादोंको भी नादारी व भीमारी, तो पकडा हमने उनको अचानक, और

هُمْ لَا يَشْعُرُونَ ﴿۷۴﴾ وَلَوْ أَنَّ أَهْلَ الْقُرَىٰ أَمَنُوا وَاتَّقَوْا فَفَتَحْنَا

वोह भेभबर हैं (८५) और अगर आबादियोंवाले मान जाते और डर जाते, तो हम भोल देते

عَلَيْهِمْ بَرَكَاتٍ مِّنَ السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ وَلَكِن كَذَّبُوا فَأَخَذْنَاهُمْ

उन पर बरकतें आस्मान व जमीनकी. लेकिन उन्होंने जुटवाया, तो हमने गिरफ्तार

بِمَا كَانُوا يَكْسِبُونَ ﴿۷۵﴾ أَفَأَمِنَ أَهْلُ الْقُرَىٰ أَنْ يَأْتِيَهُمْ بَأْسُنَا

कर लिया सजामें जो वोह कमा रहे थे (८६) तो क्या भयाव पा गये आबादियों वाले ? कि आ जाये उन पर हमारा अजाब

بَيَاتًا وَهُمْ نَائِمُونَ ﴿۷۶﴾ أَوَأَمِنَ أَهْلُ الْقُرَىٰ أَنْ يَأْتِيَهُمْ

रातको और वोह सो रहे हैं (८७) क्या भयाव पा गये आबादियोंवाले ? कि आये उन पर हमारा

بَأْسُنَا ضُحًى وَهُمْ يُلْعَبُونَ ﴿۷۷﴾ أَفَأَمِنُوا مَكْرَ اللَّهِ فَلَا يَأْمَنُ

अजाब दिन राते और वोह भेलमें लगे हैं (८८) क्या मुत्मर्शन हो गये अल्लाहकी हीलसे ? तो अल्लाहकी हीलसे

مَكْرَ اللَّهِ إِلَّا الْقَوْمَ الْخَاسِرُونَ ﴿۷۸﴾ أَوَلَمْ يَهْدِ لِلَّذِينَ يَرْتُونَ

मुत्मर्शन नहीं होते, मगर तबाह हो जानेवाली कौम (८९) क्या न सूजा उन्हें जो वारिष हुआ

الْأَرْضَ مِنْ بَعْدِ أَهْلِهَا أَنْ لَوْ نَشَاءُ أَصَبْنَاهُمْ بِذُنُوبِهِمْ

जमीनके वहां वालोंके बाद, कि अगर हम याहें तो और मुसीबत डाल दें उनके गुनाहों पर.

وَنُطْبِعُ عَلَىٰ قُلُوبِهِمْ فَهُمْ لَا يَسْمَعُونَ ﴿۷۹﴾ تِلْكَ الْقُرَىٰ

और छाप लगा दें उनके दिलों पर तो वोह कुछ न सुनें (९०) यह आबादियां हैं कि

نَقُصُّ عَلَيْكَ مِنْ أَنْبَاءِهَا ۗ وَقَدْ جَاءَتْهُمْ رُسُلُهُم بِالْبَيِّنَاتِ

बताते हैं हम तुमको उनके वाकेआत. और भेशक आये उनके पास उनके रसूल रौशन दलीलोंके साथ.

فَمَا كَانُوا يَوْمَئِذٍ بِسَاكِنِينَ ﴿١٩٤﴾ وَمِنْ قَبْلُ كَذَلِكَ يَطْبَعُ اللَّهُ

तो वोड कभी न हुवा कि मान जते जिसको पहले जुटवा युके थे. ठसी तरड छाप दगा देता हे अल्लाह

عَلَى قُلُوبِ الْكَافِرِينَ ﴿١٩٥﴾ وَمَا وَجَدْنَا لِأَكْثَرِهِمْ مِنْ عَهْدٍ

काकिरोके दिल पर (१०१) और नहीं पाया हमने उनके अकधरमें कोई बातकी पुप्तगी.

وَإِنْ وَجَدْنَا لِأَكْثَرِهِمْ لَفَسِيقِينَ ﴿١٩٦﴾ ثُمَّ بَعَثْنَا مِنْ بَعْدِهِمْ

और हां पाया हमने उनके अकधरको भेकडेवाले (१०२) फिर भेजा हमने उन सबके बाद

مُوسَىٰ بِآيَاتِنَا إِلَىٰ فِرْعَوْنَ وَمَلَئِهِ فَظَلَمُوا بِهَا ۗ فَانظُرْ

मूसाको, हमारी निशानियोंके साथ फिरऔन और उसके गिरोडकी तरफ, तो उन्होंने अंधेर मचाया उन निशानियोंके साथ, तो देख लो

كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الْمُفْسِدِينَ ﴿١٩٧﴾ وَقَالَ مُوسَىٰ يُفْرِعُونَ

कि क्या हुवा अन्जाम इसादियोंका (१०३) और कहा मूसाने “ओ फिरऔन

إِنِّي رَسُولٌ مِنْ رَبِّ الْعَالَمِينَ ﴿١٩٨﴾ حَقِيقٌ عَلَىٰ أَنْ لَا أَقُولَ

में रसूल हूं परवरदिगारे आलमका (१०४) मेरा ईर्ज हे कि न बोखूं

عَلَى اللَّهِ إِلَّا الْحَقُّ ۚ قَدْ جئتُكُمْ بِبَيِّنَةٍ ۚ مِنْ رَبِّكُمْ فَأَرْسِلْ

अल्लाह पर मगर हीक बात. भेशक में आया हूं तुम्हारे पास दलीलके साथ तुम्हारे परवरदिगारकी, तो छोड दे

مَعِيَ بَنِي إِسْرَائِيلَ ﴿١٩٩﴾ قَالَ إِنْ كُنْتَ جئتُ بِآيَةٍ فَأْتِ

मेरे साथ बनी इस्राएलको” (१०५) वोड बोला “कि अगर कोई निशानी ले कर आये हो, तो उसको

بِهَا إِنْ كُنْتَ مِنَ الصَّادِقِينَ ﴿٢००﴾ فَأَلْقَىٰ عَصَاهُ فَإِذَا هِيَ

लाओ, अगर सख्ये हो” (१०६) तो डाल दिया अपने असाको, तो उसी वक्त

ثُعْبَانٌ مُّبِينٌ ﴿٢०१﴾ وَنَزَعْنَا مِنْ يَدَيْهِ إِسْرَائِيلَ لِلظَّالِمِينَ ﴿٢०२﴾

वोड साइ अजुदहा हे (१०७) और अपना हाथ निकावा तो भुदभभुद रीशन हे, डर देभनेवालेकी नजरमें (१०८)

قَالَ الْمَلَأُ مِنْ قَوْمِ فِرْعَوْنَ إِنَّ هَذَا السَّحَرُ عَلَيْكُمْ ﴿٢०३﴾ يُرِيدُ

बोले चौधरी लोग क्रौमे फिरऔनके, “कि भेशक यह जरूर जादूगर और जादूकी विद्वयावाले हैं (१०८) याडते

أَنْ يُخْرِجَكُمْ مِنْ أَرْضِكُمْ فَمَا ذَاتَا مُرُونَ ﴿٢०४﴾ قَالُوا أَرْجَاهُ وَ

हैं कि तुमको निकाव दें तुम्हारे मुल्कसे, तो क्या मशवरा देते हो” (११०) सभने कहा “कि उनको और

إِلَىٰ رَبِّنَا مُنْقَلِبُونَ ﴿۱۲۵﴾ وَمَا تَنْقِمُ مِنَّا إِلَّا أَنْ آمَنَّا بِآيَاتِ رَبِّنَا

अपने परवरद्विगारकी तरफ़ फिरनेवाले हैं (१२५) और क्या थी जलमारी भुरी वगी तुमको, सिवा उसके कि हमने मान लिया अपने परवरद्विगारकी निशानियोंको

لَمَّا جَاءَنَا رَبَّنَا أَفْرَعُ عَلَيْنَا صَبْرًا وَتَوَفَّنَا مُسْلِمِينَ ﴿۱۲۶﴾ وَقَالَ

जब वोह हमारे सामने आ गयी. परवरद्विगारा उडेव दे हम पर सभ्रको और भातिमा कर हमारा मुसल्मान ही (१२६) और बोले

الْمَلَأْنَا مِنْ قَوْمِ فِرْعَوْنَ أَتَذَرُ مُوسَىٰ وَقَوْمَهُ لِيَفْسِدُوا فِي

थो धरी लोग कोमे फिरओनके, “कि क्या छोड दोगे मूसा और उनकी कोमको ? कि इसाद मयाअँ

الْأَرْضِ وَيَذَرَكَ وَالْهَيْكَلَ قَالَ سُنْقِلُ أَبْنَاءِ هُمْ وَنَسْتَحْيِ

मुल्कमें और छोड दें तुमको और तुम्हारे मा'बूदोंको.” बोला “बलोट जल्द हम काटके रभ देंगे उनके बेदोंको और जिनदा

نِسَاءَهُمْ وَإِنَّا فَوْقَهُمْ قَاهِرُونَ ﴿۱۲۷﴾ قَالَ مُوسَىٰ لِقَوْمِهِ اسْتَعِينُوا

रभेंगे लडकियोंको, और बेशक हम उन पर गाविभ हें” (१२७) कहा मूसाने अपनी कोमसे “कि मदद तलभ करो

بِاللَّهِ وَاصْبِرُوا إِنَّ الْأَرْضَ لِلَّهِ يُورِثُهَا مَنْ يَشَاءُ مِنْ عِبَادِهِ

अल्लाहसे, और सभ्र करो. बेशक जमीन अल्लाहकी है.. वारिष बना देता है जिसे याहता है अपने बन्दोंसे.

وَالْعَاقِبَةُ لِلْمُتَّقِينَ ﴿۱۲۸﴾ قَالُوا أَوْذَيْنَا مِنْ قَبْلُ أَنْ نَأْتِيَنَا مِنْ

और अ-जाम बभैर उरनेवालोंके लिये है” (१२८) सभने कहा, कि “हुभ तो हमें दिया गया आपके आनेसे भी पडले और

بَعْدِ مَا جِئْتَنَا قَالَ عَلَىٰ رَبِّكُمْ أَنْ يُهْلِكَ عَدَاؤُكُمْ وَ

पीछे.” तस्कीन दी उनहोंने, “कि करीब है कि तुम्हारा परवरद्विगार तबाह कर दे तुम्हारे दुश्मनको, और

يَسْتَخْلِفُكُمْ فِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرَ كَيْفَ تَعْمَلُونَ ﴿۱۲۹﴾ وَلَقَدْ أَخَذْنَا آلَ

तुमको मुल्कमें हाकिम कर दे, फिर तुमको मोहलत दे, कि क्या करते हो” (१२९) और बेशक धरा हमने

فِرْعَوْنَ بِالسِّنِينَ وَنَقَصْنَا مِنَ الثَّمَرَاتِ لَعَلَّهُمْ يَذَّكَّرُونَ ﴿۱۳۰﴾

आले फिरओनको भरसोंके कडत, और इलोंकी कमीमें, कि अब नसीहत पाअँ (१३०)

فَإِذَا جَاءَتْهُمْ الْحَسَنَةُ قَالُوا إِنَّا هَادِيَةٌ وَإِنْ تُصِبْهُمْ سَيِّئَةٌ

तो जब आती उन तक अखी हावत, तो “केहते कि यह हमारा डक है.” और उनकी मुसीबत बनती कोरि भुराई,

يَظُنُّوْنَ بِمُوسَىٰ وَمَنْ مَعَهُ إِلَّا إِنَّمَا ظَنُّوْهُمْ عِنْدَ اللَّهِ وَ

तो बदशगुनी बनाते मूसानी, और जो उनके साथ थे. याद रभो कि उनके शगूनकी शामत अल्लाहके पास है.

لَكِنَّ أَكْثَرَهُمْ لَا يَعْلَمُونَ ﴿۱۳۱﴾ وَقَالُوا مَهْمَا تَأْتِنَا بِهِ مِنْ آيَةٍ

लेकिन उनके अक्षर बेईतम हैं (१३१) और केहने लगे “कि कुछ भी निशानी लाओ ताकि उसका ज़दू

لَتَسْحَرْنَا بِهَا” فَمَا مَحْنُ لَكَ بِمُؤْمِنِينَ ﴿۱۳۲﴾ فَأَرْسَلْنَا عَلَيْهِمُ الطُّوفَانَ

हम पर यला दू, तो भी हम न मानेंगे” (१३२) तो भेज दिया हमने उन पर तूफान,

وَالْجُرَادَ وَالْقُمَّلَ وَالضَّفَادِعَ وَالذَّمَارِيتِ مُفَصَّلَاتٍ فَاسْتَكْبَرُوا

और टिंडी, और कीरे और मेंडके, और पून, अलग अलग मो'जिजे... तो वोह सब बडा

وَكَانُوا قَوْمًا فَجْرِمِينَ ﴿۱۳۳﴾ وَلَمَّا وَقَعَ عَلَيْهِمُ الرِّجْزُ قَالُوا يَا مُوسَى

बना किये, और थे सब मुजरिम (१३३) और जब आ पडा उन पर अजाब, केहते “कि औ मूसा हुआ

ادْعُ لَنَا رَبَّكَ بِمَا عَرَفْتَعِنْدَكَ لِيُنْزِلَ عَلَيْنَا مَائِدًا مِنَ السَّمَاءِ

करो हमारे लिये अपने परवरदिगारसे, कि तुम्हारे पास उसका अहद है. अगर हटा दिया तुमने हमसे अजाबको, तो हम

لَكَ وَلَنُرْسِلَنَّ مَعَكَ بَنِي إِسْرَائِيلَ ﴿۱۳۴﴾ فَلَمَّا كَشَفْنَا عَنْهُمْ الرِّجْزَ

मान ही जायेंगे तुमको, और उरर छोड देंगे तुम्हारे साथ बनी इस्राईलको” (१३४) फिर जब हमने हटा दिया उनसे

إِلَىٰ أَجَلٍ هُمْ بِلُغْوِهِ إِذَا هُمْ يَنْكُتُونَ ﴿۱۳۵﴾ فَانْتَقَمْنَا مِنْهُمْ فَأَغْرَقْنَاهُمْ

अजाबको औसी मुदत तक जिसको वोह पायेंगे, तो अब वोह अहद तोड रहे हैं (१३५) पस हमने उनसे बहला लिया, तो उनको डिभो

فِي الْيَمِّ بِآيَاتِهِمْ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا وَكَانُوا عَنْهَا غَافِلِينَ ﴿۱۳۶﴾ وَأَوْرَثْنَا

दिया दरियामें, क्यूंकि बेशक उन्होंने जुटलाया था हमारी निशानियोंको, और उससे बेअबर थे (१३६) और माविक बना दिया

الْقَوْمَ الَّذِينَ كَانُوا يُسْتَضَعُونَ مَشَارِقَ الْأَرْضِ وَمَعَارِبَهَا

हमने उस कौमको जो कमजोर कर दिये गये थे, उस मुल्कके पूरब व पच्छिमका, जिसमें

الَّتِي بَرَكْنَا فِيهَا وَتَمَّتْ كَلِمَتُ رَبِّكَ الْحُسْنَىٰ عَلَىٰ بَنِي إِسْرَائِيلَ ﴿۱۳۷﴾

बरकत दे रही है हमने. और पूरा हो गया तुम्हारे परवरदिगारका वा'दये नेक बनी इस्राईल पर..

بِمَا صَبَرُوا وَدَمَرْنَا مَا كَانُوا يَصْنَعُونَ فَرَعُونَ وَقَوْمَهُمْ وَمَا كَانُوا

जो उन्होंने सभ्र किया. और ढा दिया हमने जो बनाते थे फिरऔन और उसकी कौम, और जो युनाई

يَعْرِشُونَ ﴿۱۳۸﴾ وَجُوزْنَا بِبَنِي إِسْرَائِيلَ الْبَحْرَ فَأَلَوْا عَلَىٰ قَوْمِهِمْ

करते थे (१३७) और पार कर दिया हमने बनी इस्राईलको दरियासे, तो वोह आये औसी कौम पर

يَعْكُفُونَ عَلَىٰ أَصْنَامٍ لَهُمْ ۗ قَالُوا يَا مُوسَىٰ اجْعَلْ لَنَا آلِهَةً كَمَا

جو آساں لگاآے ہوں اپنے پوتوں پر۔ بولے، “آے موسا ہمارا بھی ما'بوء بنا دو جس तरळ उनके

لَهُمُ الْآلِهَةُ ۗ قَالَ إِنَّكُمْ قَوْمٌ تَجْهَلُونَ ﴿۱۳۸﴾ إِنَّ هَؤُلَاءِ مُتَّبِعُونَ مَا هُمْ

मा'बूद हैं.” जवाब दिया, कि “बेशक तुम लोग जाहिल हो” (१३८) ‘थळ लोग जिसमें लगे हों वोळ भरबाद

فِيهِ وَيَبْطُلُ مَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۱۳۹﴾ قَالَ أَغَيْرَ اللَّهِ أَبْغِيكُمْ آلِهَةً وَ

क्रिया हुवा छे, और उनके करतूत नाळक हों” (१३८) कळ दिया, कि “क्या अल्लाहके गैरको तजवीज करूं तुम्हारा

هُوَ فَضَّلَكُمْ عَلَى الْعَالَمِينَ ﴿۱۴۰﴾ وَإِذْ أُنجَيْنَاكَ مِنَ آلِ فِرْعَوْنَ

मा'बूद, ढाळांकि उसने तुमको बढंती दी औरों पर” (१४०) और जबकि बचा लिया था हमने तुमको फिरऔनियोंसे,

يَسُومُونَكُم بِسُوءِ الْعَذَابِ يُقْتَلُونَ أَبْنَاءَكُمْ وَيَسْتَحْيُونَ نِسَاءَكُمْ

तुम्हें भुरी मार मारें. तुम्हारे बेटोंको जानसे मार डालें, और औरतोंको बचा रभें.

وَفِي ذَٰلِكُمْ بَلَاءٌ مِّن رَّبِّكُمْ عَظِيمٌ ﴿۱۴۱﴾ وَوَعَدْنَا مُوسَىٰ ثَلَاثِينَ

और उसमें तुम्हारे परवरदिगारकी बडी आजमाईश छे (१४१) और हमने वा'दा इरमाया मूसासे तीस

لَيْلَةً وَأَتَمَمْنَاهَا بِعَشْرِ فِتْنَةٍ مِّيَقَاتِ رَبِّهِ ۗ أَرْبَعِينَ لَيْلَةً وَقَالَ

रातका, और मुकम्मल कर दिया मीआहको दस भिला कर, तो उनके परवरदिगारका पूरा वा'दा हुवा थालीस रातका. और कडा

مُوسَىٰ لِأَخِيهِ هَارُونَ اخْلُفْنِي فِي قَوْمِي وَأَصْلِحْ وَلَا تَتَّبِعْ

मूसाने अपने भाई हारूनको, “कि हमारे जानशीन रहना हमारी कौममें, और ईस्वाळ करते रहना, और

سَبِيلَ الْمُفْسِدِينَ ﴿۱۴۲﴾ وَلَمَّا جَاءَ مُوسَىٰ لِبِيعَاتِنَا وَكَلَّمَهُ رَبُّهُ

इसादियोंकी राळ न चलना” (१४२) और जब आ गये मूसा हमारे वा'दे पर, और कलाम इरमाया उनसे उनके परवरदिगारने,

قَالَ رَبِّ أَرِنِي أَنظُرْ إِلَيْكَ ۗ قَالَ لَنْ تَرَانِي وَلَكِنِ انظُرْ إِلَى

अर्छक्रिया, “परवरदिगारा तू अपनेको मुझेदिभा दे, किमेंतुझेदेभ लूं” इरमाया “तुम हरगिळ नहीदेभ सकते. ढांनिगाळ करोपडाडकी तरक,

الْجَبَلِ فَإِنِ اسْتَقَرَّ مَكَانَهُ فَسَوْفَ تَرَانِي ۗ فَلَمَّا تَجَلَّىٰ رَبُّهُ

तो अगर ठहरा रडा अपनी जगळ, तो जळद तुम मुझे देभ लोगे.” पस जब तजल्ली इरमाई उनके परवरदिगारने

لِلْجَبَلِ جَعَلَهُ دَكًّا وَخَرَّ مُوسَىٰ صَعِقًا ۗ فَلَمَّا أَفَاقَ قَالَ سُبْحَانَكَ

पडाड पर, तो कर दिया उसको रेजा रेजा, और गिरे मूसा भेषुद. फिर जब ठंकाका हुवा, तो कडा कि “पाक छे तू,

تَبَّتْ إِلَيْكَ وَانَا أَوَّلُ الْمُؤْمِنِينَ ﴿۱۳۲﴾ قَالَ يَمُوسَىٰ إِنِّي اصْطَفَيْتُكَ

मेरी तौबा है तेरे यहां, और मैं पहला मो'मिन हूँ" (१४३) इरमाया "अं मूसा बेशक मैंने युन लिया तुमको

عَلَى النَّاسِ بِرِسَالَتِي وَبِكَلَامِي ۖ فَخُذْ مَا آتَيْتُكَ وَكُن مِّنَ

औरोंसे अपने पैगामों और क्लामसे. तो ले लो जो कुछ मैंने तुमको दिया, और शुक्रगुजार

الشَّاكِرِينَ ﴿۱۳۳﴾ وَكَتَبْنَا لَهُ فِي الْأَنْوَاجِ مِن كُلِّ شَيْءٍ مَّوْعِظَةً وَو

रखी" (१४४) और लिख दिया हमने उनके लिये तफ्तिनोंमें हर चीजकी नसीहत, और

تَفْصِيلًا لِّكُلِّ شَيْءٍ ۖ فَخُذْ مَا بِقُوَّةٍ وَأْمُرْ قَوْمَكَ يَا خُدَا

हर चीजकी तफ्सील. तो उसको मजबूतीसे लो और हुकम दो अपनी कौमको कि इफ्तियार करें

بِأَحْسَنِهَا سَأُوْرِيكُمْ دَارَ الْفَاسِقِينَ ﴿۱۳۴﴾ سَأَصْرِفُ عَنْ آيَتِيَ

उसकी भूबियोंको. बडोत जल्द दिमा दूंगा मैं तुमको नाकरमानोंके घर (१४५) और बडोत जल्द कर दूंगा मैं अपनी आयतोंकी तरफ

الَّذِينَ يَتَكَبَّرُونَ فِي الْأَرْضِ بِغَيْرِ الْحَقِّ وَإِنْ يَرَوْا كَل

से उन्हे, जो बडाईकी डींग लेते हैं जमीनमें नाइक. और अगर वोइ सारी निशानी

آيَةٍ لَا يُؤْمِنُوا بِهَا وَإِنْ يَرَوْا سَبِيلَ الرُّشْدِ لَا يَتَّخِذُوْهُ سَبِيلًا ۗ

देख लें तो भी न मानें. और अगर राइ छिदायत देभें तो उसे राइ न बनाअें.

وَإِنْ يَرَوْا سَبِيلَ الْغَيِّ يَتَّخِذُوْهُ سَبِيلًا ۗ ذٰلِكَ بِأَنَّهُمْ كَذَّبُوا

और अगर देभ पाअें गुमराहीकी राइ, तो यल पडें. यइ इस लिये कि उन्होंने जुटलाया

بِآيَاتِنَا وَكَانُوا عَنْهَا غٰفِلِينَ ﴿۱۳۵﴾ وَالَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا وَلِقَاءِ

हमारी आयतोंको और इससे गइलत भरतते थे (१४६) और जिन्होंने जुटलाया हमारी आयतोंको और आभिरत

الْآخِرَةِ حَبِطَتْ أَعْمَالُهُمْ هَلْ يُجْزَوْنَ إِلَّا مَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۱۳۶﴾

के मिलनेकी, अकारत गअे उनके सभ अमल. उन्हे बटला न दिया जअेगा, मगर जो उनके करतूत थे (१४७)

وَإِذْ خَذَّ قَوْمُ مُوسَىٰ مِن بَعْدِهِ مِنْ حُلِيِّهِمْ عِجْلًا جَسَدًا آله

और गइ लिया कौमे मूसाने उनके बा'द अपने जेवरोंसे अइक बछडा, मूर्ती गायकी तरइ

خَوَارِطَ الْمَيْرِ وَأَنَّهُ لَا يُكَلِّمُهُمْ وَلَا يَهْدِيهِمْ سَبِيلًا ۗ إِذْ خَذُوْهُ

भोलती. क्या यइ उन्होंने न देभा ? कि वोइ न उनसे भोले और न राइ बताअे उन्हे... उसको बना लिया,

وَكَانُوا ظَالِمِينَ ﴿۱۳۸﴾ وَلَمَّا سَقَطَ فِي أَيِّدِيهِمْ وَرَأَوْا أَنَّهُمْ قَدْ ضَلُّوا

और भडे अंधेरके लोग थे (१४८) और जब अपने हाथों शर्मिन्दगीमें गिरे, और देभ लिया कि बेशक भडक गअे थे,

قَالُوا لَئِن لَّمْ يَرَحْمَنَا رَبُّنَا وَيَغْفِرْ لَنَا لَكُونَنَّ مِنَ الْخٰسِرِينَ ﴿۱۳۹﴾

केडने लगे, “अगर रडम न इरमाया डम पर डमारे परवरदिगारने, और डमको भाश न दिया, तो डम दीवाल्ये छे गअे” (१४८)

وَلَمَّا رَجَعَ مُوسَىٰ إِلَىٰ قَوْمِهِ غَضْبَانَ أَسِفًا قَالَ بِئْسَمَا خَلَفْتُمُونِي

और जब लौटे मूसा अपनी कौमकी तरफ भडे गुस्सेमें रञ्छडा, बोले “कि बुरी ज्ञनशीनीकी तुमने मेरी

مِنْ بَعْدِي ۖ أَعَجَلْتُمْ أَمْرَ رَبِّكُمْ ۖ وَالْقَىٰ الْأَلْوَابَ ۖ وَأَخَذَ بِرَأْسِ

मेरे भा’द, क्या तुमने डुकमे परवरदिगारसे जल्दबाजी कर दी”, और तप्तियां डाल दीं. और अपने भाँठकी सर पकड कर

أَخِيهِ يَجْرُهُ إِلَيْهِ ۚ قَالَ ابْنَ أُمَّ إِنَّ الْقَوْمَ اسْتَضَعَفُونِي ۖ وَكَادُوا

अपनी तरफ भीचने लगे, उन्हींने कडा, कि “अे मेरे मांजअे, बेशक कौमने मुजको कमजोर ज्ञाना और करीब

يَقْتُلُونَنِي ۖ فَلَا تُشِيتْ بِي الْأَعْدَاءَ ۖ وَلَا تَجْعَلْنِي مَعَ الْقَوْمِ

था कि मुजको कत्ल कर डालें, तो डंसने न दीजिये मुज पर दुश्मनोंकी, और न मुजको ँन जालिमोंमें

الظٰلِمِينَ ﴿۱۴۰﴾ قَالَ رَبِّ اغْفِرْ لِي ۖ وَلَاخِي ۖ وَأَدْخِلْنَا فِي رَحْمَتِكَ ۖ

शुमार कीजिये” (१५०) तो कडा मूसाने, कि “परवरदिगारा भाश दे मुजे और मेरे भाँठकी और जगड दे डमको अपनी रडमतमें,

وَأَنْتَ أَرْحَمُ الرَّحِيمِينَ ﴿۱۴۱﴾ إِنَّ الَّذِينَ اتَّخَذُوا الْعِجْلَ سَيِّئًا لَّهُمْ

और तू सभसे ज़्यादा रडम इरमानेवाला है” (१५१) बेशक जिन्हींने बनाया था भएडको भडोत जल्द पछोंयेगा उन तक

غَضَبٌ مِّنْ رَبِّهِمْ ۖ وَذَلَّةٌ فِي الْحَيٰوةِ الدُّنْيَا ۖ وَكَذٰلِكَ نُجَزِي

गजभ उनके परवरदिगारका, और रुस्वाँठ दुन्यावी जिन्दगीमें. और ँसी तरड डम सजा देते हैं

الْمُفْتَرِينَ ﴿۱۴۲﴾ وَالَّذِينَ عَمِلُوا السَّيِّئَاتِ ثُمَّ تَابُوا مِنِّي ۖ بَعْدَ هٰٓؤِ

गण्डतवालोंकी (१५२) और जिन्हींने बुराँथोंकी और तौभा कर ली उसके भा’द, और

أَمْنًا ۖ إِنَّ رَبَّكَ مِّنْ بَعْدِهَا لَعَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۱۴۳﴾ وَلَمَّا سَكَتَ عَن

ँमान ले आअे, तो बेशक तुम्हारा परवरदिगार ँसके भा’द गइरुर्डीमहै (१५३) और जब थमा

مُوسَىٰ الْغَضَبَ أَخَذَ الْأَلْوَابَ ۖ وَفِي نُسْخٰتِهَا هُدًى ۖ وَرَحْمَةٌ

मूसका गजभ, तो उँल लिया तप्तियोंकी, और उसके नविशतेमें छिँदायत व रडमत है

لِّلَّذِينَ هُمْ لِرَبِّهِمْ يَرْتَابُونَ ﴿۱۵۶﴾ وَاخْتَارَ مُوسَىٰ قَوْمَهُ سَبْعِينَ

उनके लिये, जो अपने परवरदिगारसे कांपते हैं (१५४) और युना मूसाने अपनी कौमके सत्तर

رَجُلًا لِّيَقَاتِنَا ۖ فَلَمَّا أَخَذَتْهُمُ الرَّجْفَةُ قَالَ رَبِّ لَوْ شِئْتَ

मर्द हमारे वा'देके लिये. पस जब पडा उनहें जल्जला, अर्ज किया परवरदिगारा "अगर तू यादता तो

أَهْلَكْتَهُمْ مِّن قَبْلُ وَإِيَّايَ أَتَهْلِكُنَا بِمَا فَعَلَ السَّفَهَاءُ مِنَّا ۖ

उनको पहले ही उलाक कर देता और मुजको भी. क्या बरबाद करेगा तू हमको इसके पहले, जो हममेंसे

إِن هِيَ إِلَّا فِتْنَتُكَ تُضِلُّ بِهَا مَن تَشَاءُ وَتَهْدِي مَن تَشَاءُ ۗ

बेवकूफोंने किया, यह सिर्फ तेरी आज्माँश है. उससे जिसकी यादे गुमराही बता दे और जिसको यादे राड दे दे.

أَنْتَ وَلِيِّنَا فَاغْفِرْ لَنَا وَارْحَمْنَا وَأَنْتَ خَيْرُ الْغَافِرِينَ ﴿۱۵۷﴾ وَكَتَبَ

तू हमारा भौला है, तो हमें बप्श दे, और हम पर रहम करमा और तू सबसे अच्छा बप्शानेवाला है (१५५) और तकदीर

لَنَا فِي هَذِهِ الدُّنْيَا حَسَنَةٌ وَفِي الْآخِرَةِ إِنَّا هُدْنَا إِلَيْكَ ۗ قَالَ

लिख दे हमारी भली इस दुन्यामें और आभिरतमें, बेशक हमने तेरी राड पाई." इरमाया

عَدَائِيَّ أُصِيبُ بِهِ مَن أَشَاءُ وَرَحْمَتِي وَسِعَتْ كُلَّ شَيْءٍ ۗ

"मेरा अजाब ! भेजूं जिस पर यादूं, और मेरी रहमत डर चीजसे वसीअ है.

فَسَاكِنْتُمْهَا الَّذِينَ يَتَّقُونَ وَيُؤْتُونَ الزَّكَاةَ وَالَّذِينَ هُمْ بِآيَاتِنَا

तो बडोत जल्द उसे लिख दूंगा उनके लिये जो डरें और जकात दें और वोड जो हमारी आयतोंको

يُؤْمِنُونَ ﴿۱۵۸﴾ الَّذِينَ يَتَّبِعُونَ الرَّسُولَ النَّبِيَّ الْأُمِّيَّ الَّذِي

मानें" (१५६) जो लोग पीछे चलें इस रसूल नबी उम्मीके, कि

يَجِدُونَ مَكْتُوبًا عِنْدَهُمْ فِي التَّوْرَةِ وَالْإِنْجِيلِ يَأْمُرُهُمْ

पाते हैं जिसको लिखा हुवा अपने पास तोरेत व इन्जिलमें, कि हुकूम दें उनको

بِالْمَعْرُوفِ وَيَنْهَاهُمْ عَنِ الْمُنْكَرِ وَيُحِلُّ لَهُمُ الطَّيِّبَاتِ وَيُحَرِّمُ

नेकीका और रोकें बुराईसे, और उलाव करें उनके लिये पाकीजा चीजें, और डराम कर

عَلَيْهِمُ الْخَبِيثَاتِ وَيَضَعُ عَنْهُمْ إِصْرَهُمْ وَالْأَعْلَالَ الَّتِي كَانَتْ

दें उन पर गन्दगियोंको, और उतार दें उनसे उनके बोज, और सारे तौक जो गले

عَلَيْهِمْ ط قَالَ الَّذِينَ آمَنُوا بِهِ وَعَزَّرُوهُ وَنَصَرُوهُ وَاتَّبَعُوا النُّورَ

पडे हैं. तो जो उनको मान गया, और उकके ता'जीम अदा किया और डिमायतकी, और पैरवीकी उस नूरकी,

الَّذِي أَنْزَلَ مَعَهُ أَوْلِيكَ هُمُ الْمُفْلِحُونَ ﴿۱۵۴﴾ قُلْ يَا أَيُّهَا النَّاسُ

जो उनके पास नाजिल की गई है, तो वोही लोग कामियाब हैं (१५७) पुकारदो "कि ऐ ई-सान बेशक !

إِنِّي رَسُولُ اللَّهِ إِلَيْكُمْ جَمِيعًا الَّذِي لَهُ مُلْكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

में अल्लाहका रसूल हूँ तुम सबकी तरफ, वोह जिसकी आस्मानों और जमीनकी हुकूमत है.

لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ يُحْيِي وَيُمِيتُ فَأَمِنُوا بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ النَّبِيِّ الْأُمِّيِّ

नही है कोई मा'बूद सिवा उसके, वोही जिलाओ वोही मारे." तो मान जाओ अल्लाहको और उसके रसूल नबी उम्मीकी,

الَّذِي يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَكَلِمَاتِهِ وَاتَّبَعُوهُ لَعَلَّكُمْ تَهْتَدُونَ ﴿۱۵۵﴾ وَ

जो मानें अल्लाहको और उसके कलिमातको, और गुलामी करो उनकी, कि डिदायत पाओ (१५८) और

مِنْ قَوْمِ مُوسَى أُمَّةٍ يَهْدُونَ بِالْحَقِّ وَبِهِ يَعْدِلُونَ ﴿۱۵۶﴾ وَ

कोमे मूसामें अक जमाअत है जो उकका रास्ता बताओं, और उससे उक ई-साफ़ करें (१५८) और

قَطَعْنَاهُمْ اثْنَتَيْ عَشْرَةَ أَسْبَاطًا أُمَمًا ۗ وَأَوْحَيْنَا إِلَىٰ مُوسَىٰ

तकसीम कर दिया हमने उन्हें बारह कबीलों पर अलग अलग गिरोह, और वही बेजो हमने मूसामी तरफ

إِذِ اسْتَسْقَاهُ قَوْمُهُ أَنْ اضْرِبْ بِعَصَاكَ الْحَجَرَ فَانْبَجَسَتْ مِنْهُ

जब पानी मांगा उनकी कोमने, "कि अपना असा मारो पथर पर," तो डूटे उससे

اِثْنَتَا عَشْرَةَ عَيْنًا قَدْ عَلِمَ كُلُّ أُنَاسٍ مَّشْرَبَهُمْ ۗ وَظَلَلْنَا

बारह यशमे. बेशक जान लिया सब लोगोंने अपना अपना घाट. और साया डाल

عَلَيْهِمُ الْغَمَامَ ۗ وَأَنْزَلْنَا عَلَيْهِمُ السَّنَّ وَالسَّلْوَىٰ ۗ كُلُوا مِنْ

दिया हमने उन पर बादलका, और उतारा उन पर मन्न व सलवाकी, "कि भाओ पाकीजा

كَيْبَتِ مَا رَزَقْنَاهُمْ ۗ وَمَا ظَلَمُونَا وَلَكِن كَانُوا أَنفُسَهُمْ يَظْلِمُونَ ﴿۱۵۷﴾

थीं जो हमने दी हैं तुमको." और उन्होंने हमारा कुछ न बिगाडा लेकिन अपना बिगाडते थे (१६०)

وَإِذْ قِيلَ لَهُمْ اسْكُنُوا هَذِهِ الْقَرْيَةَ وَكُلُوا مِنْهَا حَيْثُ شِئْتُمْ

और जब कडा गया उनको "कि ईस आबादीमें रहो और यहां जहां चाहो भाओ

وَقُولُوا حِطَّةٌ وَادْخُلُوا الْبَابَ سُجَّدًا نَغْفِرْ لَكُمْ خَطِيئَتَكُمْ ۗ

और ज़मानसे कछो भता मुआक, और दरवाजेमें दाभिल हो सजदा करते डूअे, तो अपश देंगे डम तुम्हारी भताअें.

سَأَزِيدُ الْمُحْسِنِينَ ﴿۱۴۱﴾ فَبَدَّلَ الَّذِينَ ظَلَمُوا مِنْهُمْ قَوْلًا غَيْرَ

भडोत जलद ज़यादा देंगे डम मुभ्लिस भ-दोंको” (१६१) तो भदल दिया जिन्होंने उनमेंसे अंधेर मयाया भातको उसके भिलाक

الَّذِي قِيلَ لَهُمْ فَأَرْسَلْنَا عَلَيْهِمْ رِجْزًا مِنَ السَّمَاءِ بِمَا كَانُوا

जो उनको भताया गया था, तो भेज दिया डमने उन पर अजाभ आस्मानसे जो अंधेर कर

يَظْلِمُونَ ۗ وَسَأَلَهُمْ عَنِ الْقَرْيَةِ الَّتِي كَانَتْ حَاضِرَةَ الْبَحْرِ ۗ

रडे थे (१६२) और उनसे पूछो ँस आभादीको दरियाके कनारेकी...

إِذْ يَعُدُّونَ فِي السَّبْتِ إِذْ تَأْتِيهِمْ حِينَتُهُمْ يَوْمَ سَبْتِهِمْ شُرَعًا

जभकि वोड कानूनसे भाडर हो ज़ते थे सनीयरमें, जभकि मछलियां आतीं सनीयरके दिन ज़ुंडके ज़ुंड तैरती,

وَيَوْمَ لَا يَسْبِتُونَ لَا تَأْتِيهِمْ كَذَلِكَ ۗ نَبَلَّوهُمْ بِمَا كَانُوا يَفْسُقُونَ ﴿۱۴۲﴾

और जिस दिन सनीयर न हो, तो नही आती थीं. ँसी तरड डम उनहें आजमाने, क्यूंकि वोड नाकरमानी किया करते थे (१६३)

وَإِذْ قَالَتْ أُمَّةٌ مِنْهُمْ لِمَ تَعِظُونَ قَوْمًا اللَّهُ مُهْلِكُهُمْ أَوْ مُعَدِّبُهُمْ

और जभ भोला उनका अक गिरोड “कि क्यूं नसीडत करते हो उनको, कि अल्लाड जिनको तभाड करनेवाला और

عَذَابًا شَدِيدًا ۗ قَالُوا مَعذِرَةٌ إِلَىٰ رَبِّكُمْ وَلَعَلَّهُمْ يَتَّقُونَ ﴿۱۴۳﴾ فَلَمَّا

सभ्त अजाभ देनेवाला है. जवाभ दिया “कि अपनी मा’जेरतके लिये परवरदिगारसे, और यूंकि वोड डर ज़ाअें” (१६४) तो जभ

نَسُوا مَا ذُكِّرُوا بِهِ ۗ أَجْبَيْنَا الَّذِينَ يَنْهَوْنَ عَنِ السُّوءِ وَأَخَذْنَا

भूल गअे जिसकी नसीडतकी गँ थी, तो भया लिया डमने उनहें जो रोकते थे गुनाडसे, और पकडा डमने

الَّذِينَ ظَلَمُوا بِعَدَابٍ بَیِّسٍ بِمَا كَانُوا يَفْسُقُونَ ﴿۱۴۴﴾ فَلَمَّا عَتَوْا

उनहें जो अंधेर कर युके थे, भुरे अजाभमें, क्यूंकि वोड नाकरमानी करते थे (१६५) फिर जभ सरकशीकी

عَنْ مَا نُهُوا عَنْهُ ۗ فَلَمَّا لَهُمْ كُؤُؤًا قَرَدَةً حُسَيْنًا ۗ وَإِذْ تَأَذَّنَ

जिससे रोक दिये गअे थे, तो डमने उनहें डांटा कि भन्दर हो ज़ाओ जलील (१६६) और जभ अे’वाने आम कर

رَبِّكَ لِيَبْعَثَنَّ عَلَيْهِمْ إِلَىٰ يَوْمِ الْقِيَامَةِ مَنْ يَسُومُهُمْ سُوءَ

दिया तुम्हारे परवरदिगारने कि ज़रूर उन पर भेजता रहेगा कयामत तक अैसेको, जो उनहें भुरा

ذُكِّرُوا
لَا يَسْبِتُونَ

لَمَّا عَتَوْا
يَسُومُهُمْ

الْعَذَابِ إِنَّ رَبَّكَ لَسَرِيعُ الْعِقَابِ ۖ وَإِنَّكَ لَعَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۱۳۷﴾ وَ

अजाब दिया करें. बेशक तुम्हारा परवरदिगार जल्द अजाबवाला है. और बेशक वोह गड़रुर्हीम है (१६७) और

قَطَعْنَهُمْ فِي الْأَرْضِ أَمْمَاءً مِنْهُمْ الصُّلِحُونَ وَمِنْهُمْ دُونَ

उमने टुकडे टुकडे कर दिये उनके जमीनमें टोली टोली. बा'ज तो नेककार और बा'ज उनसे

ذَلِكَ وَبَلَّوْنَهُمْ بِالْحَسَنَاتِ وَالسَّيِّئَاتِ لَعَلَّهُمْ يَرْجِعُونَ ﴿۱۳۸﴾ فَخَلَفَ

अलग. और आजमाया उमने उनको अच्छी ने'मतों और बुरी मुसीबतोंसे, कि वोह तोबा कर लें (१६८) फिर उनके

مِنْ بَعْدِهِمْ خَلَفَ وَرَثَتُوا الْكِتَابَ يَأْخُذُونَ عَرَضَ هَذَا الْأَدْنَى

बा'द उनके ज्ञानशील आये नाबल्क, कि किताबके वारिष हूँ, वे रडे हें ठस दुन्याकी पूँछ,

وَيَقُولُونَ سَيُعْفِرُ لَنَا ۖ وَإِنْ يَأْتِيهِمْ عَرَضٌ مِّثْلَهُ يَأْخُذُوهُ ۗ

और रींगते हें कि बडोत जल्द उम बप्शे जअंगे. और अगर आ जाये उनके पास ऐसी ही और पूँछ तो उसे ले लें,

أَلَمْ يُوْخَذْ عَلَيْهِمْ مِيثَاقُ الْكِتَابِ أَنْ لَا يَقُولُوا عَلَى اللَّهِ إِلَّا

क्या नहीं लिया गया था उन पर किताबमें मजबूत अहद ? कि न बोवें अल्लाह पर

الْحَقَّ وَدَرَسُوا مَا فِيهِ ۗ وَالذَّارُ الْآخِرَةُ خَيْرٌ لِّلَّذِينَ يَتَّقُونَ ۗ

मगर उक, और उनहोंने पढ लिया है जो कुछ उसमें है. और दारे आभिरत बेहतर है उनहें जो डरें.

أَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴿۱۳۹﴾ وَالَّذِينَ يُسْكِنُونَ بِالْكِتَابِ وَأَقَامُوا الصَّلَاةَ

तो क्या अकल नहीं रभते ? (१६९) और जो लोग थामे हें किताबको, और काँठम रभा नमाजको,

إِنَّا لَا نُضِيعُ أَجْرَ الْمُصْلِحِينَ ۗ وَإِذْ نَتَقْنَا الْجَبَلَ فَوْقَهُمْ كَأَنَّهُ

तो बेशक उम नहीं जायेअ करमाते नेकोंके अजको (१७०) और जब उमने उठा कर कर दिया पडाउको उनके सर पर, गोया

ظُلَّةٌ وَظَنُوا أَنَّهُ وَاقِعٌ بِهِمْ خُذُوا مَا آتَيْنَاكُمْ بِقُوَّةٍ وَاذْكُرُوا

सायेभान है, और वोह समजे कि वोह उन पर गिर पड़ेगा, कि “ लो जो उमने तुमको दिया है मजबूतीसे, और याद रभो

مَا فِيهِ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ۗ وَإِذْ أَخَذْنَا مِنْ بَنِي آدَمَ مِنْ

जो उसमें है कि तुम अल्लाहसे डरने लगो” (१७१) और जब लिया था तुम्हारे परवरदिगारने औलादे आदमकी

ظُهُورِهِمْ ذُرِّيَّتَهُمْ وَأَشْهَدَهُمْ عَلَىٰ أَنفُسِهِمْ أَلَسْتُ بِرَبِّكُمْ ۗ

पुशतसे उनकी नस्लको, और उनहें गवाह बनाया था उनकी पर, “कि क्या मैं तुम्हारा परवरदिगार नहीं हूँ?”

قَالُوا بَلَىٰ ۗ شَهِدْنَا أَن تَقُولُوا يَوْمَ الْقِيَامَةِ إِنَّا كُنَّا عَنْ هَذَا

सबने कहा था, कि “क्यूं नहीं”, “हम सब गवाह हैं”, “कि केह डालो कयामतके दिन कि बेशक हम लोग

غُفْلِينَ ۗ أَوْ تَقُولُوا إِنَّمَا أَشْرَكَ آبَاؤُنَا مِن قَبْلُ وَكُنَّا ذُرِّيَّةً

ईससे भे भबर थे” (१७२) या केह डालो, “कि शिर्क तो हमारे बापदादोंने किया था पहलेसे, और हम उनकी नरख

مِّن بَعْدِهِمْ أَفَتُهْلِكُنَا بِمَا فَعَلَ الْمُبْطِلُونَ ۗ وَكَذَلِكَ

थे, उनके भा'द. तो क्या तू हमको डलाक करेगा ईस जुर्मसे जो बातिल परस्तोंने किया” (१७३) और ईसी तरह हम

نُقِصِّلُ الْآيَاتِ وَلَعَلَّهُمْ يَرْجِعُونَ ۗ وَاقْتُلْ عَلَيْهِم نَبِيًّا

तकसील बयान करते हैं आयतोंकी, और कि वोह तौबा कर लें (१७४) और पढ कर सुना दो उन्हे वाकेआ ईसका

الَّذِي آتَيْنَاهُ آيَاتِنَا فَاسْلَخَ مِنْهَا فَاتَّبَعَهُ الشَّيْطَانُ فَكَانَ

जिसको हमने दिया था आयतें, फिर वोह उनसे निकल ही गया. तो पीछा किया उसका शैतानने, तो ठहरा

مِنَ الْغَوِيِّينَ ۗ وَلَوْ شِئْنَا لَرَفَعْنَاهُ بِهَا وَلَكِنَّهُ أَخْلَدَ إِلَىٰ

गुमराहोंसे (१७५) और अगर हम याहते तो बुलन्द इरमा देते उसको ईन आयतोंकी बढौलत लेकिन वोह तो लुक्

الْأَرْضِ وَاتَّبَعَ هَوَاهُ فَمَثَلُهُ كَمَثَلِ الْكَلْبِ إِنْ تَحْمِلْ عَلَيْهِ

पडा पस्तीकी तरफ, और लग गया अपनी ज्वाडिशके पीछे. तो उसकी मिघाल हे जैसे कुत्तेकी तरह, कि अगर सप्ती करो उस पर

يَلْمِزْهُ أَوْ يُنْكِرْهُ يَلْمِزْهُ ذَلِكَ مَثَلُ الْقَوْمِ الَّذِينَ كَذَّبُوا

तो जभान निकावे, हांपे, और अगर ईसे छोड दो, तो भी जभान निकावे हांपे, यह मिघाल हे उस कौमकी जिसने जुटवाया

بِآيَاتِنَا فَأَقْصِصْ الْقَصَصَ لَعَلَّهُمْ يَتَفَكَّرُونَ ۗ سَاءَ مَثَلًا

हमारी आयतोंको. तो वाकेआत बयान कर दो कि वोह सोयसे कामलें (१७६) बुरी मिघाल हे

الْقَوْمِ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا وَأَنفُسُهُمْ كَانُوا يَظْلِمُونَ ۗ مَن

ईस कौमकी जिसने जुटवाया हमारी आयतोंको, और वोह अपने ही लिये अंधेर मयाते रहे (१७७) जिसे

يَهْدِ اللَّهُ فَهُوَ الْمُهْتَدِىٌّ وَمَن يُضِلِلْ فَأُولَٰئِكَ هُمُ الْخٰسِرُونَ ۗ

अल्लाह छिदायत दे, तो वोह छिदायत पर हे. और जिसकी गुमराही बता दे, तो वोही दिवाल्ये हैं (१७८)

وَلَقَدْ ذَرَأْنَا لِجَهَنَّمَ كَثِيرًا مِّنَ الْجِنِّ وَالْإِنسِ ۗ لَهُمْ قُلُوبٌ لَا

और बेशक हमने पैदा इरमाया जहन्नमके लिये भोडतेरे जिन्तो ईन्सान. उनके दिल ऐसे हैं

يَقْفَهُونَ بِهَا وَلَهُمْ أَعْيُنٌ لَا يُبْصِرُونَ بِهَا وَلَهُمْ آذَانٌ لَا

जिनसे वोह समजते नहीं और उनकी आंभें ऐसी हैं, कि उनसे देखते नहीं. और उनके कान ऐसी हैं, कि

يَسْمَعُونَ بِهَا أُولَئِكَ كَالْأَنْعَامِ بَلْ هُمْ أَضَلُّ أُولَئِكَ هُمُ

जिनसे सुनते नहीं. वोह हैं गोया चौपाये, बल्कि वोह ज़्यादा गये गुजरे. वोही लोग

الْغٰفِلُونَ ﴿١٥٩﴾ وَبِاللّٰهِ الْاَسْمَاءِ الْحُسْنٰى فَاذْعُوْهُ بِهَا وَذُرُّوا

भेषभर महुज हैं (१७८) और अल्लाहके लिये हैं सारे अच्छे नाम, तो उसे पुकारो उन नामोंसे, और उटाओ

الَّذِيْنَ يُلٰجِدُونَ فِيْ اَسْمَائِهِ سَيُجْزَوْنَ مَا كَانُوْا يَعْمَلُوْنَ ﴿١٦٠﴾

उन्हें जो कजरवी करें उसके नामोंमें. बलौत जल्द सजा दिये जायेंगे जो करतूत कर रहा था (१८०)

وَمِمَّنْ خَلَقْنَا اُمَّةً يَّهْدُوْنَ بِالْحَقِّ وَبِهِ يَعْبُدُوْنَ ﴿١٦١﴾ وَالَّذِيْنَ

और हमने जिन्हें पैदा किया उनमें एक जम्हूरियत है कि उक बतायें, और उक ही ठन्साक करें (१८१) और जिन्हों

كَذَّبُوْا بِآيٰتِنَا سَنَسْتَدْرِجُهُمْ مِّنْ حَيْثُ لَا يَعْلَمُوْنَ ﴿١٦٢﴾ وَاَمْلِيْ

ने जुटवाया हमारी आयतोंको, तो बलौत जल्द थोडा थोडा कर के गिरायेगे हम उनको, कि उन्हें भबर ही न हो (१८२) और उनको मोहलत दूंगा..

لَهُمْ اِنَّ كَيْدِيْ مَتِيْنٌ ﴿١٦٣﴾ اَوْلَمْ يَتَّفَكَّرُوْا مَا بِصَاحِبِهِمْ مِّنْ

बेशक मेरी मक तोड तदबीर मजभूत है (१८३) क्या उन लोगोंने गौर नहीं किया कि उनके दरदमके साथी मालिकमें

حِجَّةٍ اِنْ هُوَ اِلَّا نَذِيْرٌ مُّبِيْنٌ ﴿١٦٤﴾ اَوْلَمْ يَنْظُرُوْا فِيْ مَلَكُوْتِ

जून नही है. वोह बस भुले बन्दों डरानेवाले हैं (१८४) क्या उन्होंने निगाह न की

السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ وَمَا خَلَقَ اللّٰهُ مِنْ شَيْءٍ وَّاَنْ عَسٰى

आस्मानों और जमीनकी मस्लिकतमें, और जो कुछ पैदा इरमाया अल्लाहने अपने याहसे. और यह कि शायद

اَنْ يَّكُوْنَ قَدِ اقْتَرَبَ اَجَلُهُمْ فَبِآيِّ حَبِيْثٍ بَعْدَهُ يُؤْمِنُوْنَ ﴿١٦٥﴾

नजदीक आ चुकी हो उनकी मौत, तो किस कलामको उसके बाद मानेंगे ? (१८५)

مِّنْ يُضِلُّ اللّٰهُ فَلَآ هَادِيَ لَهٗ وَيَذُرُّهُمْ فِيْ طُغْيٰنِهِمْ

जिसकी गुमराही अल्लाह बता दे, तो उसका हादी नहीं. और उन्हें छोड देता है कि अपनी सरकशीमें

يَعْمَهُونَ ﴿١٦٦﴾ يَسْئَلُوْنَكَ عَنِ السَّاعَةِ اَيَّانَ مُرْسِلُهَا قُلْ اِنَّمَا

अंधराया करें (१८६) तुमसे सवाल करते हैं क्यामतेके बारेमें "कि कब मुकरर है." जवाब दिये दो, कि

عَلِمَهَا عِنْدَ رَبِّي لَا يُجَلِّيهَا لِوَقْتِهَا إِلَّا هُوَ ۗ ثَقُلَتْ فِي السَّمَوَاتِ

ઉસકા ઈલ્મ મેરે પરવરદિગાર હીકો હે. ન ઝાહિર કરેગા ઉસકો ઉસકે વક્ત પર... મગર વોહ ગિરાં ગુઝર રહી હે આસ્માનોં

وَالْأَرْضِ ۗ لَا تَأْتِيكُمْ إِلَّا بَغْتَةً ۗ يَسْأَلُونَكَ كَأَنَّكَ حَفِيٌّ عَنْهَا ۗ

ઔર ઝમીનમેં. ન આએગી તુમહારે પાસ મગર અચાનક.” તુમસે પૂછતે હેં ગોયા તુમકો ખુદ ઉસકી કાવિશ હે.

قُلْ إِنَّمَا عَلِمَهَا عِنْدَ اللَّهِ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ﴿۱۸۷﴾ قُلْ

જવાબ દે દો, “કિ ઈસકા ઈલ્મ અલ્લાહ હીકો હે,” લેકિન બોહતેરે લોગ નહીં જાનતે (૧૮૭) કેહ દો

لَا أَمْلِكُ لِنَفْسِي نَفْعًا وَلَا ضَرًّا إِلَّا مَا شَاءَ اللَّهُ ۗ وَلَوْ كُنْتَ أَعْلَمُ

“કિ નહીં માલિક હૂં અપને નફસ હીકે નફઅકા ઔર ન ઝરરકા, મગર અલ્લાહકે ચાહેસે. ઔર અગર મેં ગેબ હી

الْغَيْبِ لَا سْتَكْتَرْتُ مِنَ الْخَيْرِ ۗ وَمَا مَسَّنِيَ السُّوءُ ۗ إِنْ أَنَا

બતાયા કરતા તો ઈકદા કર લેતા ખુબ માલ તુમ લોગોંકા. ઔર મુઝકો છૂ ભી ન જાતી તુમહારી ઈજા. મેં તો બસ

إِلَّا نَذِيرٌ وَبَشِيرٌ ۗ لِقَوْمٍ يُؤْمِنُونَ ﴿۱۸۸﴾ هُوَ الَّذِي خَلَقَكُمْ مِنْ

ડરાનેવાલા, ઔર ખુશખબરી સુનાનેવાલા હૂં, ઉનકો જો માને” (૧૮૮) વોહ અલ્લાહ જિસને પેદા ફરમાયા તુમકો એક

نَفْسٍ وَاحِدَةٍ ۗ وَجَعَلَ مِنْهَا زَوْجَهَا لِيَسْكُنَ إِلَيْهَا ۗ فَلَمَّا تَغَشَّاهَا

જાનસે, ઔર નિકાલા ઉસી જાનસે ઉસકા જોડા, તાકે સુકૂન મિલે. તો જબ છા ગયા

حَمَلَتْ حَمْلًا خَفِيًّا ۗ فَهَمَزَتْ بِهِ ۗ فَلَمَّا أَثْقَلَتْ ۗ دَعَا اللَّهَ رَبَّهَا

મર્દ ઔરત પર, તો વોહ હામિલા હો ગઈ હલકી કુલકી, તો ચલતી ફિરતી રહે ઉસકો લિયે, ફિર જબ બોઝલ પડી, તો દોનોંને દુઆકી

لِيَنبِئَنَا صَالِحًا ۗ لَنَكُونَنَّ مِنَ الشَّاكِرِينَ ﴿۱۸۹﴾ فَلَمَّا أَتَاهَا صَالِحًا

અલ્લાહ અપને પાલનેવાલેસે, કિ “અગર તૂને હમકો નેક ઔલાદ દી, તો હમ ઝરૂર શુક ગુઝાર હોંગે” (૧૮૯) તો જબ દે દી ઉનકો

جَعَلَا لَهُ شُرَكَاءَ فِيمَا آتَاهَا ۗ فَتَعَالَى اللَّهُ عَمَّا يُشْرِكُونَ ﴿۱۹۰﴾

નેક ઔલાદ, તો બનાને લગે ઉસકે શરીક ઉસકે દિયેમેં. તો બહોત ખુલન્દ હે અલ્લાહ ઉનકે શિક્કસે (૧૯૦)

أَيُّشْرِكُونَ مَا لَا يَخْلُقُ شَيْئًا ۗ وَهُمْ يُخْلِقُونَ ﴿۱۹۱﴾ وَلَا يَسْتَطِيعُونَ

કયા શરીક ઠહરાતે હેં ઉસે, જો કુછ ભી પેદા ન કરે, ઔર વોહ ખુદ પેદા કિયે ગએ હોં (૧૯૧) વોહ શુરકા ન ઉનકી મદદ કર

لَهُمْ نَصْرًا ۗ وَلَا أَنفُسَهُمْ يَنْصُرُونَ ﴿۱۹۲﴾ وَإِنْ تَدْعُوهُمْ إِلَى الْهُدَىٰ

સકે, ઔર ન અપની મદદ કરે (૧૯૨) ઔર અગર ઉન્હેં ખુલાઓ હિદાયતકી તરફ,

ثَقُلَتْ
لَا تَأْتِيكُمْ

مَعَانِي

﴿۱۸۷﴾

لَا يَتَّبِعُكُمْ سَوَاءٌ عَلَيْكُمْ أَدَعَوْتُهُمْ أَمْ أَنْتُمْ صَامِتُونَ ﴿١٨٣﴾

तो तुम्हारे साथ न यवें. तुम्हारे विये बराबर हें, प्वाड उन्हे पुकारो, प्वाड मामोश रहो (१८३)

إِنَّ الَّذِينَ تَدْعُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ عِبَادٌ أَشْتَاتٌ فَأَدْعُوهُمْ

बेशक जिनकी तुम अल्लाहकी छोड कर दुडार्थ देते हो, वोड तुम्हारी तरडसे बन्दे हें,

فَلَيْسَتْ جِبُوبُكُمْ إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿١٨٤﴾ أَلَمْ أَجْلُ يَسْتُونَ

“वे अब उनको पुकारो,” फिर वोड तुम्हारा जवाब दे दें, अगर तुम सत्ये हो (१८४) क्या उनके पांव हें जिनसे

بِهَاءٍ أَمْ لَهُمْ آيْدِيٌّ يَبْطِشُونَ بِهَا أَمْ لَهُمْ أَعْيُنٌ يُبْصِرُونَ

यवें, या उनके हाथ हें जिनसे थामें, या उनकी आंभें हें जिनसे

بِهَاءٍ أَمْ لَهُمْ آذَانٌ يَسْمَعُونَ بِهَا قُلْ ادْعُوا شُرَكَاءَكُمْ

देभें, या उनके कान हें जिनसे सुनें. बलकार हो “कि बुलाओ अपने मा'बूदों

ثُمَّ كِيدُونَ فَلَا تُنظِرُونَ ﴿١٨٥﴾ إِنَّ وَرِثَةَ اللَّهِ الَّتِي

को, फिर दांव यवो, मुजको मोडलत ही न हो (१८५) बेशक मेरा मौला अल्लाह हें, जिसने

نَزَّلَ الْكِتَابَ ۖ وَهُوَ يَتَوَلَّى الصَّالِحِينَ ﴿١٨٦﴾ وَالَّذِينَ

उतारी किताब और वोड नेकोंका कारसाज हें (१८६) और जिनकी

تَدْعُونَ مِنْ دُونِهِ لَا يَسْتَجِيبُونَ نَصْرَكُمْ وَلَا أَنْفُسَهُمْ

दुडार्थ देते हो अल्लाहकी छोड कर, वोड तुम्हारी मदद नहीं कर सकते, और न अपनी

يَنْصُرُونَ ﴿١٨٧﴾ وَإِنْ تَدْعُوهُمْ إِلَى الْهُدَىٰ لَا يَسْتَعْوَأُ

मदद करें” (१८७) और अगर उन्हे राड पर बुलाओ तो न सुनें. और

تَرَاهُمْ يَنْظُرُونَ إِلَيْكَ وَهُمْ لَا يُبْصِرُونَ ﴿١٨٨﴾ خُذِ الْعَفْوَ

तुम देभोगे कि वोड तुमको देभ रहें हें, हावाकि वोड नहीं देभते (१८८) मुआफ़ कर दिया करो,

وَأْمُرْ بِالْعُرْفِ وَأَعْرِضْ عَنِ الْجَاهِلِينَ ﴿١٨٩﴾ وَإِنَّمَا يَنْزِعُكَ

और नेकीका हुकम देते रहो, और ज़ाहिलोंसे कनारे रडा करो (१८९) और अगर शैतानका कोंया तुम

مِنَ الشَّيْطَانِ نَزَعٌ فَاسْتَعِذْ بِاللَّهِ إِنَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿٢٠٠﴾

भेंसे किसीको कोंये, तो अल्लाहकी पनाह मांग ले. बेशक वोड सुननेवाला ज़ाननेवाला हें (२००)

إِنَّ الَّذِينَ اتَّقَوْا إِذَا مَسَّهُمْ طَیْفٌ مِّنَ الشَّيْطَانِ تَذَكَّرُوا

भेशक जो डरवाले हैं, जब लगा उन्हें कोठे थरका शैतानका, थोंक उठे,

فَإِذَا هُمْ مُبْصِرُونَ ۝ وَإِخْوَانُهُمْ يَمُدُّونَهُمْ فِي الْغَيِّ

झोरन वोड आंभवाले छे जाते हैं (२०१) और शैतानके भाईयोको शयातीन भीचे बले जाते हैं गुमराही

ثُمَّ لَا يَقْصِرُونَ ۝ وَإِذَا لَمْ تَأْتِهِمْ بِآيَةٍ قَالُوا لَوْلَا

में, फिर थमते नहीं (२०२) जब न लाओ तुम उनके पास कोठे आयत, तो “बोल परे कि भुद छी

اجْتَبَيْتَهَا قُلْ إِنَّمَا أَتَّبِعُ مَا يُوحَىٰ إِلَىٰ مِن رَّبِّي هَذَا

क्यूं न बना लिया.” जवाब दो, “कि में सिर्फ वहुये रब्बानीकी पैरवी करता हूँ.” यह बसीरत

بَصَائِرٍ مِّن رَّبِّكُمْ وَهُدًى وَرَحْمَةً لِّقَوْمٍ يُؤْمِنُونَ ۝

अकरोज भाते हैं तुम्हारे परवरदिगारकी तरफसे, और छिदायत व रहमत उनके लिये जो मान जाओ (२०३)

وَإِذَا قُرِئَ الْقُرْآنُ فَاسْتَمِعُوا لَهُ وَأَنْصِتُوا لَعَلَّكُمْ

और जब पढा जाओ कुरआन, “तो उसकी कान लगा कर सुनो, और चुप रहो, कि रहम किये

تُرْحَمُونَ ۝ وَإِذْ كُنَّا فِي نَفْسِكَ تَضَرُّعًا وَخِيفَةً وَ

जाओ” (२०४) और याद करो अपने परवरदिगारकी, अपने दिलमें, गिडगिडा कर, और डर कर, और

دُونَ الْجَهْرِ مِنَ الْقَوْلِ بِالْغُدُوِّ وَالْآصَالِ وَلَا تَكُنْ

खिल्लाडटरो, कम आवाजरो, सुब्हो शाम, और गकलत

مِّنَ الْغَافِلِينَ ۝ إِنَّ الَّذِينَ عِنْدَ رَبِّكَ لَا يَسْتَكْبِرُونَ

वालोंमें न रखा करो (२०५) भेशक जो तुम्हारे परवरदिगारके पास हैं, नहीं बडे बनते

عَنْ عِبَادَتِهِ وَيَسْبَحُونَهُ وَلَهُ يَسْجُدُونَ ۝

उसके पूजनेसे, और उसकी तस्बीह करते हैं और उसीका सजदा करते हैं (२०६)

سُورَةُ الْاَنْفَالِ ۝ ۸ ۝ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝ ۸ ۝

सूरअे अन्नाल मदनिय्या

नामसे अल्लाहके बडा मडरबान भपशनेवाला

आयात ७५ रुकूअ १०

يَسْأَلُونَكَ عَنِ الْاَنْفَالِ قُلِ الْاَنْفَالُ لِلّٰهِ وَالرَّسُولِ

तुमसे पूछते हैं अम्वाले गनीमतके बारेमें, जवाब दे दो “कि अम्वाले गनीमतके मालिक अल्लाह व रसूल हैं.”

فَاتَّقُوا اللَّهَ وَأَصْلِحُوا ذَاتَ بَيْنِكُمْ وَأَطِيعُوا اللَّهَ وَرَسُولَهُ

तो डरते रहो अल्लाहकी और आपसमें सुलह रभा करो. और कछा मानो अल्लाहकी और उसके रसूलकी

إِنَّ كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ۝ إِنَّمَا الْمُؤْمِنُونَ الَّذِينَ إِذَا ذُكِرَ

अगर तुम उसके माननेवाले हो (१) माननेवाले वोही हैं कि जब अल्लाहकी जिक्र किया

اللَّهُ وَجَلَّتْ قُلُوبُهُمْ وَإِذَا تُلِيَتْ عَلَيْهِمْ آيَاتُ اللَّهِ زَادَتْهُمْ

गया, डर गअे उनके दिल, और जब तिलावत की गई उन पर अल्लाहकी आयतें, बढ़ा दिया उन

إِيمَانًا وَعَلَىٰ رَبِّهِمْ يَتَوَكَّلُونَ ۝ الَّذِينَ يُقِيمُونَ الصَّلَاةَ

के ईमानको, और अपने परवरदिगार पर भरोसा रभें (२) जो नमाज कर्तम रभें

وَمِمَّا رَزَقْنَاهُمْ يُنفِقُونَ ۝ أُولَٰئِكَ هُمُ الْمُؤْمِنُونَ حَقًّا ۝

और जो रिजक डमने उनको दिया है उससे भर्य करें (३) वोही हैं ठीक माननेवाले.

لَهُمْ دَرَجَاتٌ عِنْدَ رَبِّهِمْ وَمَغْفِرَةٌ ۝ وَرِزْقٌ كَرِيمٌ ۝ كَمَا

उनकीके लिये दरजे हैं उनके परवरदिगारके यहाँ. बख्शिश है और बाँठजत रिजक है (४) जिस

أَخْرَجَكَ رَبُّكَ مِنْ بَيْتِكَ بِالْحَقِّ ۝ وَإِنَّ فَرِيقًا مِّنَ

तरह कि तुमको भरआमद किया तुम्हारे परवरदिगारने तुम्हारे घरसे डकके साथ, और बेशक अडले ईमानके

الْمُؤْمِنِينَ لَكَرِهُونَ ۝ يُجَادِلُونَكَ فِي الْحَقِّ بَعْدَ مَا تَبَيَّنَ

अेक गिरोडकी नापसन्द था (५) वोड उलजते थे तुमसे अग्रे डकमें बा'द इसके कि वोड रौशन हो चुका,

كَأَنَّمَا يُسَاقُونَ إِلَى الْمَوْتِ وَهُمْ يَنْظُرُونَ ۝ وَإِذْ يَعِدُكُمُ

गोया वोड डंके जा रहे हैं मौतकी तरफ, और वोड देख रहे हैं (६) और जबकि वा'दा करमा

اللَّهُ أَحَدَى الطَّائِفَتَيْنِ أَنَّهُمَا لَكُمْ وَتَوَدُّونَ أَنَّ عَيْرِذَاتِ

रहा है तुमसे अल्लाह, दोनों गिरोडे दुश्मनमेंसे अेक, कि वोड तुम्हारा है, और तुम्हारी ख्वाडिश यड, कि बेभतर गिरोड

الشُّوْكَةِ تَكُونُ لَكُمْ وَيُرِيدُ اللَّهُ أَنْ يُحِقَّ الْحَقَّ بِكَلِمَاتِهِ

तुम्हारा हो जाअे. और अल्लाहकी ईरादा यड, कि अपने डक कलिमोंको डक कर दिभाअे,

وَيَقْطَعَ دَابِرَ الْكَافِرِينَ ۝ لِيُحِقَّ الْحَقَّ وَيُبْطِلَ الْبَاطِلَ

और काकिरोंको जडसे काट दे (७) ताकि डकको डक, और नाडकको नाडक करमादे,

وَلَوْ كَرِهَ الْمُجْرِمُونَ ۸ اِذْ تَسْتَغِيثُونَ رَبَّكُمْ فَاسْتَجَابَ

گو بھرا مانتے مۇجریم لوگ (۷) جبکہ تم لوگ فریاد کر رہے ہو اپنے پروردگار سے، یونانہ ہی نے کبھی فرما لی

لَكُمْ اِنِّي مُبْدِكُمْ بِالْفِ مِّنَ الْمَلِكَةِ مُرْدِفِينَ ۹ وَمَا

تو تمہاری، کہ بے شک میں مدد فرمانے والا ہوں تمہاری آہ کا آواز فرشتوں سے لگاتار (۷) اور نہ ہی

جَعَلَهُ اللهُ اِلَّا بُشْرٰى وَلِتَطْمَیْنَنَّ بِهٖ قُلُوْبُكُمْ وَمَا النَّصْرُ

کیا یہ اے اللہ نے، مگر خوشخبری، اور تاکہ اطمینان پا جائے اس سے تمہارے دل، اور مدد نہ ہی

اِلَّا مِنْ عِنْدِ اللّٰهِ اِنَّ اللّٰهَ عَزِیْزٌ حَكِیْمٌ ۱۰ اِذْ یُعْشِیْكُمْ

مگر اے اللہ کی طرف سے۔ بے شک اے اللہ کا دل ہے حکمت والا ہے (۱۰) جب کے چائے دے رہا ہے

التُّعَاسِ اَمْنَةً مِّنْهُ وَیُنْزِلُ عَلَیْكُمْ مِّنَ السَّمَاءِ مَآءً

غیب تم پر اپنی طرف سے امن کے لیے، اور گرا رہا تم پر آسمان سے پانی، کہ

لِیَطْهَرَكُمْ بِهٖ وَیُدْهِبَ عَنْكُمْ رِجْزَ الشَّیْطٰنِ وَلِیَرْبِطَ

پاؤں دھارے کر دے تمہاری اس سے اور دور کر دے تم سے شیطان کی ناپاکی، اور تاکہ دھارے بंधائے

عَلٰی قُلُوْبِكُمْ وَیُثَبِّتَ بِهٖ الْاَقْدَامَ ۱۱ اِذْ یُوحٰی رَبُّكَ اِلٰی

تمہارے دلوں کی، اور تمہیں ثابت کر دے (۱۱) جبکہ پوشیدہ حکم لے رہا ہے تمہارا پروردگار

السَّلٰکَةِ اِنِّیْ مَعَكُمْ فَتٰتِبُوا الَّذِیْنَ اٰمَنُوْا سَالِقِیْنَ فِیْ قُلُوْبِ

فرشتوں کی طرف، کہ بے شک میں تمہارے ساتھ ہوں، تو مڑو ان کے جو ایمان لائے ہو، ان کے دلوں میں

الَّذِیْنَ كَفَرُوْا الرُّعْبَ فَاصْبِرُوْا فَوْقَ الْاَعْنَاقِ وَاصْبِرُوْا

ان کے دلوں میں، تو مارو گارہن سے اوپر، اور مارو

مِنْهُمْ كُلَّ بَنٰنٍ ۱۲ ذٰلِكَ بِاَنَّهُمْ شَاقُوْا اللّٰهَ وَرَسُوْلَهٗ ۱۳

ان کی ہر ہر پور (۱۲) یہ اس لیے کہ انہوں نے مٹا دی ہے اللہ اور اس کے رسول کی،

وَمَنْ یُّشَاقِقِ اللّٰهَ وَرَسُوْلَهٗ فَاِنَّ اللّٰهَ شَدِیْدُ الْعِقَابِ ۱۳

اور جو مٹا دے اللہ اور اس کے رسول کی، تو اے اللہ سخت عذاب دینے والا ہے (۱۳)

ذٰلِكُمْ فَذُوْا قُوَّةً وَّاَنَّ لِلْکٰفِرِیْنَ عَذَابَ النَّٰرِ ۱۴ یٰۤاَیُّهَا

یہ اس لیے کہ تمہاری قوت ہے اور ان کے لیے آگ کی عذاب ہے (۱۴) اے لوگو

الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا الْقِيَمَةُ الَّذِينَ كَفَرُوا زَحَفًا فَلَا تُولُوهُمْ

જો ઈમાન લા ચુકે ! જબ મુડભેડ તુમહારી હો કાફિરોસે લડાઈમં, તો ઉધર પીઠ

الْأَدْبَارَ ۱۵ وَمَنْ يُؤَلِّهِمْ يَوْمَئِذٍ دُبُرَهُ إِلَّا مُتَحَرِّفًا لِقِتَالِ

ન કરો (૧૫) ઓર જો ઉસ દિન પીઠ પીછે ફિરા, મગર લડને હી કે લિયે પૈતરા બદલતે હુએ,

أَوْ مُتَحَرِّزًا إِلَىٰ فِئَةٍ فَقَدْ بَاءَ بِغَضَبٍ مِّنَ اللَّهِ وَمَا وَهُ

યા અપને જથ્થામં જા મિલનેકે લિયે, તો બેશક વોહ હો ગયા અલ્લાહકે ગઝબમં, ઓર ઉસકા ઠિકાના

جَهَنَّمَ ۖ وَبِئْسَ النَّصِيرُ ۱۶ فَلَمْ تَقْتُلُوهُمْ وَلَكِنَّ اللَّهَ

જહન્નમ હે. ઓર વોહ બુરી જગહ હે (૧૬) તો તુમને ઉનકો નહીં મારા. હાં અલ્લાહને ઉનહેં

قَتَلَهُمْ وَمَا رَمَيْتَ إِذْ رَمَيْتَ وَلَكِنَّ اللَّهَ رَهِيءٌ وَلِيَلْبِي

કતલ ફરમાયા. ઓર તુમને ખાક નહીં ફેંકી જબકિ તુમને ફેંકી, લેકિન અલ્લાહને ફેંકી. તાકિ જાંચ

الْمُؤْمِنِينَ مِنْهُ بِلَاءٌ حَسَنًا ۚ إِنَّ اللَّهَ سَبِيْعٌ عَلَيْكُمْ ۱۷ ذِكْمُ

કા ઈઆમ દે ઉસસે ઈમાનવાલોંકો અચ્છે નતીજકા. બેશક અલ્લાહ સુનનેવાલા જાનનેવાલા હે (૧૭) તુમ યહ લો,

وَأَنَّ اللَّهَ مُوهِنٌ كَيْدِ الْكُفْرَيْنَ ۱۸ إِنْ تَسْتَفْتِحُوا فَقَدْ

ઓર બેશક અલ્લાહ કાફિરોંકી ચાલકો કમઝોર કર દેનેવાલા હે (૧૮) અગર તુમ કાફિર લોગ હકકી ફત્હ માંગતે થે,

جَاءَكُمْ الْفَتْحُ ۚ وَإِنْ تَنْتَهُوا فَرُّوْكُمْ ۚ وَإِنْ

તો બેશક ફત્હ આ ગઈ. ઓર અગર રુક જાઓ તો યહ તુમહારે લિયે બેહતર હે. ઓર અગર ફિર

تَعُوذُوا نَعُدْ ۚ وَلَنْ نُغْنِيَنَّ عَنْكُمْ فِتْنَتَكُمْ شَيْئًا ۚ وَلَوْ

એસા કિયા, તો હમ ફિર યહી કરેંગે. ઓર તુમહારે કામ ન આએગા તુમહારા સંગઠન કુછ, ગો

كَثُرَتْ ۚ وَأَنَّ اللَّهَ مَعَ الْمُؤْمِنِينَ ۱۹ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

અકબરિય્યત હો. ઓર બેશક અલ્લાહ ઈમાનવાલોંકે સાથ હે (૧૯) એ વોહ જો ઈમાન લા ચુકે !

أَطِيعُوا اللَّهَ وَرَسُولَهُ وَلَا تَوَلَّوْا عَنَّهُ وَ أَنْتُمْ تَسْعَوْنَ ۲۰

કહા માનો અલ્લાહકા ઓર ઉસકે રસૂલકા, ઓર મત ફિરો ઉસસે જબ કિ તુમ સુન ચુકે (૨૦)

وَلَا تَكُونُوا كَالَّذِينَ قَالُوا سَمِعْنَا وَهُمْ لَا يَسْمَعُونَ ۲۱

ઓર મત હો જાઓ ઉનકી તરહ, જિન્હોંને કહા કિ હમને સુના, હાવાંકિ વોહ નહીં સુનતે (૨૧)

عِنْدَهُ أَجْرٌ عَظِيمٌ ﴿۲۸﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِن تَتَّقُوا اللَّهَ

کے یوں بڑا اجر ہے (۲۸) اے جو ایمان والے! اگر تم اللہ سے ڈرتے ہو،

يَجْعَلْ لَكُمْ فُرْقَانًا وَيُكَفِّرَ عَنْكُمْ سَيِّئَاتِكُمْ وَيَغْفِرَ لَكُمْ ط

تو تمہارے لیے الٹے پاس کا نور، اور تمہاری گنہگاروں کو تمہاری گنہگاروں سے تمہارے گناہوں سے، اور تمہیں بخش دے۔

وَاللَّهُ ذُو الْفَضْلِ الْعَظِيمِ ﴿۲۹﴾ وَإِذْ يَسْكُرُ بِكَ الَّذِينَ كَفَرُوا

اور اللہ بڑے فضل والا ہے (۲۹) اور جب تمہیں کفر کرنے سے روکتے رہے،

لِيُثَبِّتُوكَ أَوْ يُقَاتِلُوكَ أَوْ يُخْرِجُوكَ وَيَسْكُرُونَ وَيَسْكُرُ

تاکہ تمہیں جہاد میں روکے یا لڑنے سے روکے، یا تمہیں نکال دے، اور تمہیں اپنا ہاتھ بندھتے ہیں اور اللہ ہاتھوں کو

اللَّهُ ط وَاللَّهُ خَيْرُ الْبَكِرِينَ ﴿۳۰﴾ وَإِذْ اتَّكَلَى عَلَيْهِمْ آيَاتُنَا

توڑتا ہے۔ اور اللہ ہاتھوں کو جہاد کرنے میں بہتر ہے (۳۰) اور جب تمہیں ان پر ہمارے آیتوں

قَالُوا قَدْ سَمِعْنَا لَوْ نَشَاءُ لَقُلْنَا مِثْلَ هَذَا إِنْ هَذَا إِلَّا

کہا کہ ہم نے سنا، اگر ہم چاہتے تو ایسا ہی کہہ دیتے۔ یہ سب

أَسَاطِيرُ الْأَوَّلِينَ ﴿۳۱﴾ وَإِذْ قَالُوا اللَّهُمَّ إِنْ كَانَ هَذَا

انگلیوں کے کھیل ہے” (۳۱) اور جب انہوں نے کہا کہ ”کیسے ہوگا، اگر یہ

هُوَ الْحَقُّ مِنْ عِنْدِكَ فَأَمِطْرْ عَلَيْنَا حِجَابًا مِنَ السَّمَاءِ

حقیق ہے تو اس آسمان سے پتھر،

أَوْ آتِنَا بِعَذَابٍ آلِيمٍ ﴿۳۲﴾ وَمَا كَانَ اللَّهُ لِيُعَذِّبَهُمْ وَ

یا تمہیں عذاب دے دے کہ تمہیں اللہ نے عذاب دینا نہیں چاہا، اور اللہ نے تمہیں

أَنْتَ فِيهِمْ ط وَمَا كَانَ اللَّهُ مُعَذِّبَهُمْ وَهُمْ يَسْتَغْفِرُونَ ﴿۳۳﴾

عذاب دینا۔ اور اللہ نے تمہیں عذاب دینا نہیں چاہا، جبکہ تم انہیں عذاب دینے سے روکتے رہے (۳۳)

وَمَا لَهُمْ إِلَّا يَعْذِبُهُمُ اللَّهُ وَهُمْ يَصُدُّونَ عَنِ الْمَسْجِدِ

اور انہیں کوئی عذاب نہیں، کیونکہ اللہ نے انہیں عذاب نہیں دیا، جبکہ وہ مسجد

الْحَرَامِ وَمَا كَانُوا أَوْلِيَاءَهُ إِنْ أَوْلِيَاءُ إِلَّا الْمُنَافِقُونَ

حرام سے اور وہ اس کے اولیاء نہیں۔ اس کے اولیاء صرف منافق ہیں

وَلَكِنَّ أَكْثَرَهُمْ لَا يَعْلَمُونَ ﴿۳۴﴾ وَمَا كَانَ صَلَاتُهُمْ عِنْدَ

لے کینا ان کے زیادہا بہت کم ہیں (۳۴) اور نہ ہی ان کی نماز بہت تھوڑی

الْبَيْتِ إِلَّا مَكَاةً وَتَصَدِيَةً ۖ فَذُوقُوا الْعَذَابَ بِمَا كُنْتُمْ

کے پاس مگر سیدھی، اور تالی. تو تمہیں آگاہی، جو

كُفْرًا ۚ ﴿۳۵﴾ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا وَيُنْفِقُونَ أَمْوَالَهُمْ لِيَصُدُّوا

کفر کیا کرتے تھے (۳۵) بھیک جینوں نے کفر کیا، بہرہ کرتے ہیں اپنے مال کو، تاکہ روک

عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ ۖ فَسَيُنفِقُونَهَا ثُمَّ تَكُونُ عَلَيْهِمْ

تے اٹھانے کی راہ سے. تو اب اس کو بہرہ کر لیں. کفر ان پر

حَسْرَةً ثُمَّ يُغْلَبُونَ ۗ وَالَّذِينَ كَفَرُوا إِلَىٰ جَهَنَّمَ

پھرتا کرتے، کفر ہرا دیتے جائیں،... اور جینوں نے کفر کیا، جہنم کی طرف

يُحْشَرُونَ ﴿۳۶﴾ لِيَبَيِّرَ اللَّهُ الْحَيِّثَ مِنَ الطَّيِّبِ وَيَجْعَلَ

ڈانگے جائیں. (۳۶) تاکہ الگ کر دے اٹھانے گندے کو سچے سے، اور کر دے

الْحَيِّثَ بَعْضًا عَلَىٰ بَعْضٍ فَيَرْكُمَهُ جَمِيعًا فَيَجْعَلُ فِي جَهَنَّمَ

گندے کو تلے اوپر، کفر اس سب کو ڈھیر لگا دے، کفر اس کو جہنم میں ڈک دے.

أُولَٰئِكَ هُمُ الْخٰسِرُونَ ۗ ﴿۳۷﴾ قُلْ لِلَّذِينَ كَفَرُوا وَإِن يَنْتَهُوا يُعْفَرُوا

وہی ہیں ہارنے والے (۳۷) کہو کہ جو کفر سے، "اگر وہ باز آ جائے تو بخش دیا

لَهُمْ مَا قَدْ سَلَفَ ۚ وَإِن يَعُودُوا فَقَدْ مَضَتْ سُنَّتُ الْأَوَّلِينَ ﴿۳۸﴾

جائے گا ان کو جو کفر کر چکے تھے." اور اگر کفر ہی کفر کرے، تو ان کی جگہ پہلے کے (۳۸)

وَقَاتِلُوهُمْ حَتَّىٰ لَا تَكُونَ فِتْنَةٌ وَيَكُونَ الدِّينُ كُلَّهُ لِلَّهِ ۗ

اور کتلہ کر ڈالو ان کو، یہاں تک کہ نہ رہے کفر اور ہو جائے دین سارا اٹھانے کی.

فَإِنِ انْتَهَوْا فَإِنَّ اللَّهَ بِمَا يَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ﴿۳۹﴾ وَإِن تَوَلَّوْا

تو اگر وہ باز آئے، تو بھیک اٹھانے جو وہ کرتے ہیں اس کا دیکھنے والا ہے (۳۹) اور اگر بہرہ ہی بہرہ،

فَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ مَوْلَاكُمْ نِعَمَ الْمَوْلَىٰ وَنِعَمَ النَّصِيرِ ﴿۴۰﴾

تو جان لو کہ بھیک اٹھانے تمہارا مولا ہے. کسے اٹھانے مولا، اور کسے اٹھانے مددگار ! (۴۰)